**';keyk**

**laLd`r**

**d{kk 10**

**l= 2019&20**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|   | DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें? |  |
| विकल्प 1: अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।विकल्प 2: Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोडबटन पर  tap करें। |

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

|  |
| --- |
| DIKSHA को लांच करें—> App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें—>उपयोगकर्ता Profile का चयन करें |

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|  |  |  |
| पाठ्यपुस्तक में QR Code कोScan करने के लिए मोबाइल मेंQR Code tap करें। | मोबाइल को QR Code पर केन्द्रित करें। | सफलScan के पश्चातQR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी |

डेस्कटॉप परQR Codeका उपयोग कर डिजिटल विषय-वस्तु तक कैसे पहुँचें

|  |  |
| --- | --- |
| 1-QR Code के नीचे 6 अंकों काAlphaNumeric Codeदिया गया है। | ब्राउजर में diksha. gov.in/cgटाइप करें। |
| सर्च बार पर 6 डिजिट का QRCODE टाइप करें। | प्राप्त विषय-वस्तु की सूची से चाही गई विषय-वस्तु पर क्लिक करें। |

निःशुल्क वितरण हेतु

**राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर**

प्रकाशन वर्ष : - 2019

संचालक : - एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

कार्यक्रम समन्वयक : - डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

मार्गदर्शक : - डॉ. पूर्वा भारद्वाज, दिल्ली

विषय समन्वयक : - बी. पी. तिवारी, सहायक प्राध्यापक

लेखक समूह : - श्री बी. पी. तिवारी, श्री ललित कुमार शर्मा,

 श्री रतिराम पटेल, डॉ. राजकुमार तिवारी,

 श्री पीलाराम साहू, श्री पुरूषोत्तम देशमुख

 श्री त्रिपुरारि कुमार ठाकुर

चित्रांकन : - राजेन्द्र ठाकुर

आवरण एवं पृष्ठसज्जा : - रेखराज चौरागड़े, सुरेश कुमार साहू

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर

मुद्रक

**मुद्रित पुस्तकों की संख्या - ........................**

प्रस्तावना

उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृत शिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों में संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न करना है। संस्कृत शिक्षण के माध्यम से छात्रों में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना व मानवीय मूल्यों का सतत् विकास करना है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2005 के अनुरुप छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक में ज्ञानात्मक अवबोधात्मक अनुप्रयोगात्मक एवं विभिन्न कौशलों के विकास पर बल दिया गया है। नवीन पाठ्यपुस्तक में छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभूतियों में बिलासाबाई एवं स्वामी आत्मानंद को स्थान दिया गया है। पाठ्यपुस्तक में गद्यपाठ, पद्यपाठ, संवाद पाठ, कथापाठ, वैज्ञानिकपाठ, पर्यावरण-पाठ वार्तालाप पाठ को विशेष महत्त्व दिया गया है। पाठों में सरल संस्कृत अभ्यास प्रश्न व क्रियाकलाप (गतिविधि) को शामिल किया गया है। छात्र संस्कृत को व्यवहारगत बनाकर संस्कृत में सम्भाषण कर सकें ऐसा प्रयास किया गया है।

इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में राष्ट्रीय स्तर के एन.सी.ई.आर.टी. आदि की पाठ्यपुस्तकों का सहयोग व मार्गदर्शन लिया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो-वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पाठ्यपुस्तक को स्वरुप प्रदान करने में जिन विशेषज्ञों की सहभागिता रही है परिषद् उनके प्रति आभार प्रकट करती है। निश्चय ही यह पुस्तक छात्रोपयोगी सिद्ध होगी। नवीन पुस्तक को और अधिक प्रभावी बनाने में विद्वजनों के बहुमूल्य सुझावों का सदैव स्वागत रहेगा।

**संचालक**

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

भूमिका

भाषायी इतिहास की दृष्टि से संस्कृत का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। संस्कृत विश्व की प्राचीन भाषाओं में एक है। इसका साहित्यिक प्रवाह वैदिकयुग से आज तक अबाध गति से चल रहा है। इसकी महिमा को देखकर इसे देवभाषा कहा गया है। यह भाषा भारतीय भाषाओं की जननी तथा सम्पोषिका मानी जाती है।

संस्कृत भाषा का प्राचीनतम ग्रन्थ वेद है। वेद आर्यों की सभ्यता और संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए एक मात्र साधन है। भारतवर्ष में क्षेत्रीय विषमताओं के होने पर भी जिन तत्वों ने इस देश को एक सूत्र में बाँध रखा है, उनमें संस्कृत भाषा का योगदान सर्वोपरि रहा है।

संस्कृत शिक्षण के सामान्य उद्देश्य:-

1. संस्कृत भाषा का सामान्य ज्ञान कराना, जिससे संस्कृत के सरलांशों को सुनकर या पढ़कर छात्र समझ सकें एवं मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति दे सकें।

2. संस्कृत साहित्य के प्रति छात्रो ंमें अभिरुचि उत्पन्न करना।

3. संस्कृत साहित्य की प्रमुख विधाओं प्राचीन एवं नवीन रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना।

4. छात्रों में राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं नैतिकमूल्यों का विकास कराना।

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए दशम कक्षा की श्यामला संस्कृत सामान्य पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है। इसमें प्राचीन रचनाओं के साथ-साथ आधुनिक रचनाओं का भी समावेश किया गया है। नवीन पाठ्यपुस्तक में पाठ का आरंभ वार्तालाप से किया गया है। जिससे छात्रों को विषय प्रवेश में सरलता एवं रोचकता का अनुभव हो। छात्रों की सुविधा के लिए प्रत्येक पाठ के अंत में शब्दार्थ दिये गये है इससे छात्रों को संस्कृत के नवीन शब्दों के अर्थ जानने में सुविधा हो। कतिपय पाठों में श्लोकों का अर्थ बोध कराया गया है ताकि छात्र श्लोकों के भावों को सरलता से समझ सके। पाठों में यथा स्थान चित्रों का समावेश किया गया है फलस्वरुप छात्र विषयवस्तु की अवधारणा से अवगत हो सके तथा अपनी बेहतर समझ बना सके।

पाठ्यपुस्तक के अंत में व्याकरणखण्ड है। उसमें छात्रों की बोधक्षमता को दृष्टिगत रखते हुए संक्षेप में व्याकरण की विविध विधाओं को रखा गया है, जिससे छात्र कौशलात्मक प्रश्नों को हल करने प्रवीणता अर्जित कर सकें।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक को छात्रों के अनुरुप सृजित करने का भरपुर प्रयास किया गया है, तथापि इसे और अधिक छात्रोपयोगी बनाने के लिए आपके बहुमूल्य सुझावों का सदैव स्वागत रहेगा।

**पाठ्यक्रम**

(अ) व्याकरण खण्ड

1. शब्द रुप:-

1. अजन्त:- जनक, कवि, शिशु, सखि। प्रीति, कुमारी, पुत्री,स्वसृ। ज्ञान, द्वार,उदर।

2. हलन्त:- भवत् विद्वस्, सरित्, जगत्।

3. सर्वनाम:- अस्मद् युष्मद्, यत्, तद् किम्।

4. संख्यावाची:- 101 से 150 तक

2. धातु रुप:-

वृत्, रुच्, नृत्, कु्रध्, लिख् मिल्, कृ, कथ्, भक्ष्। (प्रचलित पाँच लकारों में)

3. सन्धि:-

1. व्यंजन सन्धि:- अनुस्वार, परसवर्ण और जश्त्व।

2. विसर्ग सन्धि:- उत्व, सत्व, रुत्व, लोप।

4. समास:-

समास एवं समास के भेद।

5. प्रत्यय:-

1. कृदन्त:- शतृ, शानच्, क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्।

2. तद्धित:- त्व, तल्, ठक् स्त्री प्रत्यय (टाप्, ङीप्)

6. अव्यय:-

अव्यय परिचय, पहचान एवं प्रयोग।

7. उपसर्ग:-

उपसर्ग परिचय एवं प्रयोग।

8. कारक प्रकरण:-

उपपदविभक्तियों का प्रयोग (विशेषविभक्ति प्रयोग)

1. द्वितीया विभक्ति:- अभितः, परितः सर्वतः, उभयतः प्रति, निकषा।

2. तृतीया विभक्ति:- सह, साकं, सार्धं, समं (के साथ) सदृशः अलम् (निषेधार्थ)

3. चतुर्थी विभक्ति:- नमः स्वस्ति,स्वाहा, अलं (समर्थ अर्थ)। दा, रुच्, क्रुध् इर्ष्य धातु।

4. पंचमी विभक्तिः- बहिः विना, ऋृते, तरप्। भी, त्रा, प्र-भू धातु।

5. षष्ठी विभक्ति:- सम,सदृश, तुल्य (समान) तमप्।

6. सप्तमी विभक्ति:- कुशलः निपुणः प्रवीणः। स्निह, अभिलष् धातु।

9. वाच्य -प्रकरण:- वाच्य परिचय एवं परिवर्तन। (लट्लकारों में)

10. पत्र लेखन:-

1. प्राचार्य को अवकाश, स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र, अंक सूची द्वितीय प्रति के लिए पत्र एवं शुल्क मुक्ति हेतु पत्र।

2. पुस्तक प्राप्ति हेतु प्रकाशक को पत्र।

3. पारिवारिक पत्र।

11. अपठित अंश:- गद्य या पद्य अपठित अंश।

12. अशुद्धि शोधन:- वर्तनी एवं वाक्य रचनागत अशुद्धियों का शुद्धिकरण।

13. निबंध रचना:- 10 सरल संस्कृत वाक्यों में निबंध लिखना।

(विषय - सदाचार, महापुरुष, पर्व, क्रीड़ा, कवि, मेरा प्रदेश, पर्यावरण, ग्राम्य जीवन, दिनचर्या संबंधित)

**(ब) पाठ्यपुस्तक खण्ड**

**स्वीकृत नवीन पाठ्यपुस्तक श्यामला कक्षा 10 वीं**

**(स) प्रायोजना कार्य**

**(क) मौखिक कार्य:-**

**1. श्लोकोच्चारण:-** उचित गति, यति, लय आदि के साथ श्लोकों का उच्चारण।

**2. गद्य वाचन:-** उचित आरोह अवरोह एवं भाव भंगिमा के साथ वाचन।

**3. समाचार वाचन:-** किसी दिन का समाचार एकत्रित कर वांछित शैली में समाचार वाचन।

**4. चित्राभिव्यक्ति:-** किसी चित्र, दृश्य आदि को देखकर अभिव्यक्ति।

**(ख) लिखित कार्य:-**

**1. दृश्य वर्णन:-** किसी चित्र, दृश्य आदि के आधार पर कहानी या अनुच्छेद लिखना।

**2. शब्दकोश निर्माण:-** पुष्प, फल, वृक्ष, पशुपक्षी, वादन, वस्त्र, परिधान दिन, माह, ऋतु आदि के नामों का संस्कृत में संकलन करना तथा सरल संस्कृत में वाक्य निर्माण करना।

**3. भित्ति पत्रिका:-** समाचार संकलित कर भित्ति पत्रिका बनाना।

**4. अन्त्याक्षरी संकलन:-** श्लोकों एवं सूक्तियों द्वारा वर्णमाला अनुक्रम में अन्त्याक्षरी की रचना करना।

**5. समय गणनाः-** दिन, सप्ताह, माह आदि के नामों का लेखन करना।

**6. चित्र संकलन:-** संस्कृत के महाकवियों एवं महापुरुषों के चित्रों का संकलन करना।

अनुक्रमणिका

**स.क्र. पाठ पृष्ठ क्रमांक**

 अभ्यर्थना - 01

1. वार्तालापः - संवाद पाठः 02-09

2. लोष्ठशृगालयोः मित्रता - लोककथा गद्यपाठः 10-15

3. क्रियाकारककुतुहलम् - पद्यपाठः 16-21

4. बिलासा - गद्यपाठः 22-25

5. यक्षयुधिष्ठिरसंवादः - पद्यपाठः 26-30

6. प्राणेभ्योऽपि प्रियः सुहृद् - संवादगद्यपाठः 31-37

7. सुभाषितानि - पद्यपाठः 38-42

8. स्वामी आत्मानंदः - गद्यपाठः 43-46

9. ओदनं सूक्तम् - पद्यपाठः 47-51

10. परिवारः लघु एव वरम् - संवादपाठः 52-58

11. विचित्रः साक्षी - गद्यपाठः 59-65

12. हेमन्तवर्णनम् - पद्यपाठः 66-69

13. यात्रामंगलम् प्रति - गद्यपाठः 70-74

14. व्याकरण खण्ड - 75-184